Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
T.D.C. 6th (Final) Semester Examination 2015 (Session 2012-15)
Subject:- Sanskrit
Paper – 7th
Model Paper (Full Marks – 80)

(i) वामन का स्थिति काल निरूपित करें।
(ii) वामन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।
(iii) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' इस कथन की समीक्षा करें।
(iv) 'सन्दर्भेषु दशरूपकं श्रेयः' इस कथन का विवेचन करें।
(v) वामनानुसार दोषों का संक्षेपतः विवेचन करें।
(vi) वामनानुसार काव्य के लिए गुणों की महत्ता पर प्रकाश डालें।
(vii) वामन के अनुसार काव्य के लिए अलंकार की महत्ता पर प्रकाश डालें।
(viii) वामनानुसार गुण और अलंकार में अन्तर स्पष्ट करें।
(ix) वामन के अनुसार काव्य का स्वरूप प्रतिपादित करें।

2. अलंकारों के लक्षण एवम् उदाहरण प्रस्तुत करें —
(i) निदर्शनम् (ii) अर्थान्तरन्यासः (iii) विरोधः (iv) सन्देहः (v) अतिशयोक्तिः (vi) उत्प्रेक्षा (vii) वक्रोक्तिः (viii) रूपकम् (ix) श्लेषः (x) समासोक्तिः (xi) अनुप्रासः (xii) यमकम् (xiii) उपमा (xiv) परिवृत्तिः (xv) विशेषोक्तिः (xvi) व्याजोक्तिः (xvii) तुल्ययोगिता (xviii) अपह्नुतिः (xix) अनन्वयः (xx) दीपकम्।

3. वामनानुसार सूत्र व्याख्या —
(i) काव्यं ग्राह्यमलंकारात् (ii) सौन्दर्यमलंकारः (iii) काव्यं गद्यं पद्यं च (iv) विशिष्टापदरचना रीतिः (v) समग्रगुणा वैदर्भी (vi) कवित्वबीजम् प्रतिभानम् (vii) काव्यशोभायाः कर्तारो धर्माः गुणाः।

4. छन्दों के लक्षण में उदाहरण प्रस्तुत करें :—
(क) अनुष्टुप् (ख) वंशस्थ (ग) वसन्ततिलका (घ) मन्दाक्रान्ता (ङ) मालिनी (च) शिखरिणी (छ) भुजंगप्रयात (ज) स्रग्धरा (झ) हरिणी (ञ) उपजाति (ट) आर्या (ठ) शार्दूलविक्रीडित।

— x —

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
T.D.C. 6th (Final) Semester Examination 2015 (Session 2012-15)
Subject:- Sanskrit
Paper – 8th
Model Paper (Full Marks – 80)

(Full Marks 80)

1. संस्कृत में निबन्ध लिखें :-

खण्ड 'क'

(i) रीतिरात्मा काव्यस्य (ii) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(iii) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम् (iv) काव्यस्यात्मा ध्वनिः
(v) सन्दर्भेषु दशरूपकं श्रेयः (vi) काव्यलक्षणम्
(vii) वाणी च्छिष्टं जगत्सर्वम् (viii) कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते।

खण्ड 'ख'

(i) परोपकारः (ii) अनुशासनम् (iii) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्
(iv) कालिदासः (v) सत्सङ्गतिः (vi) वसन्तर्तुः (vii) ग्राम्यजीवनम्
(viii) आतंकवादः (ix) ग्रीष्मकालः (x) वर्षाकालः (xi) सदाचारः
(xii) संस्कृतस्य महत्त्वम् (xiii) विद्या ददाति विनयम्।

2. विशदीकरण करें -

(क) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः (ख) ज्ञानं भारः क्रियां विना
(ग) उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः
(घ) स्वधर्मे निधनं श्रेयः (ङ) संघे शक्तिः कलौ युगे
(च) आचारो परमो धर्मः (छ) अति सर्वत्र वर्जयेत
(ज) क्रोधो मूलम् अनर्थानाम् (झ) शुभस्य शीघ्रम्
(ञ) संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति (ट) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी।

3. अनुवाद, संक्षेपण, संवादलेखन, वार्तालेखन / पत्र लेखन, कम्प्रीहेन्शन (अनुच्छेद पठन (प्रश्नोत्तर) हेतु संस्कृत अनुवाद एवं व्याकरण ग्रन्थों का अनुशीलन करें।

—— x ——